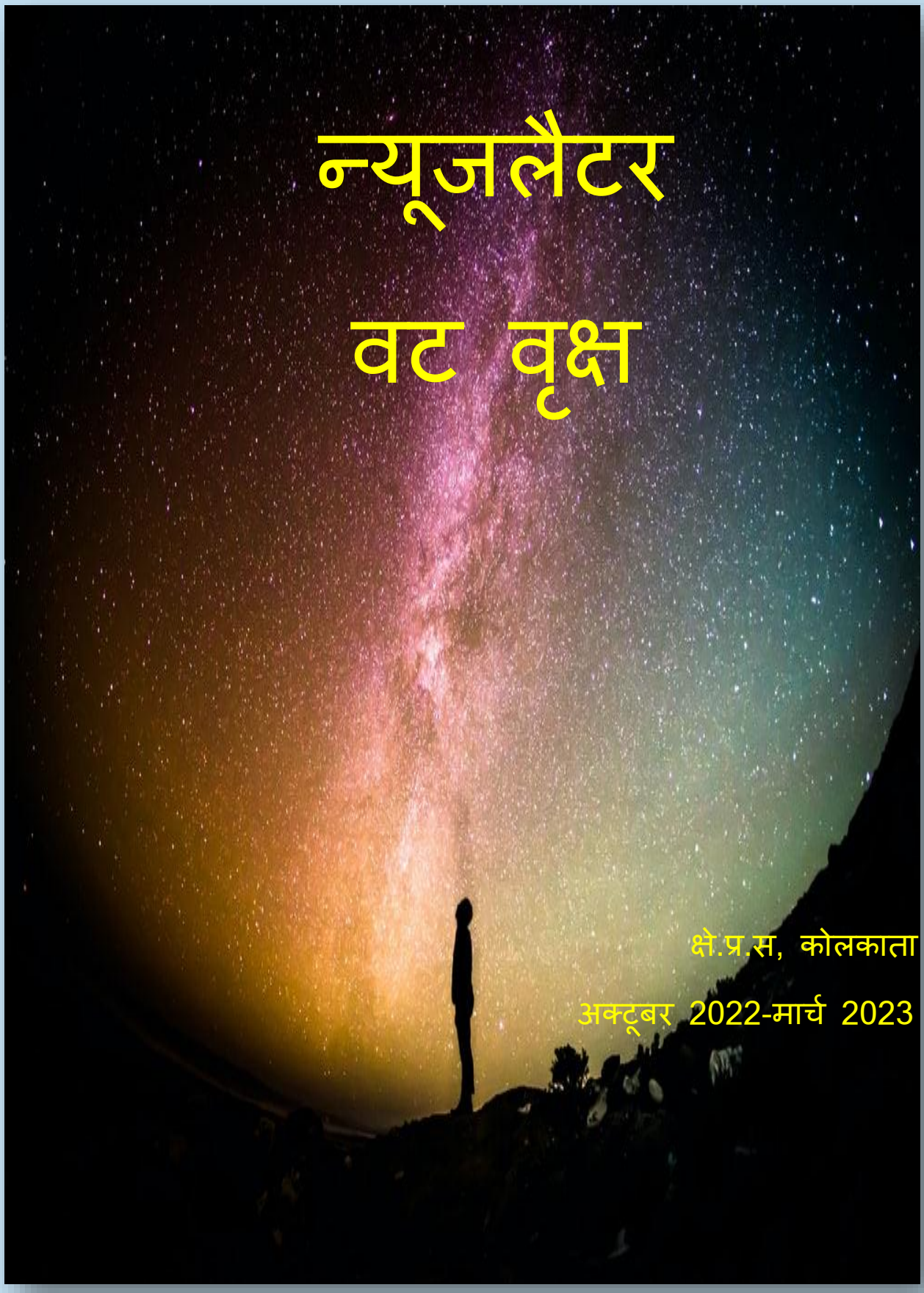

न्यूजलैटर

वट वृक्ष

क्षे.प्र.स, कोलकाता

अक्टूबर 2022-मार्च 2023

प्रधान निदेशक की कलम से

प्रिय पाठक,

मुझे मार्च 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष की तीसरी और चौथी तिमाही के लिए न्यूज़लेटर जारी करते हुए खुशी हो रही है।

हमारे उपयोगकर्ता कार्यालयों की मदद से हमने अपने प्रशिक्षण जनादेश को पूरा करने के लिए काम करना जारी रखा है। हमने रेलवे के लेखापरीक्षा पर दो अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और अनुपालन लेखापरीक्षा पर एक अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे भारत के प्रतिभागियों के साथ सफलतापूर्वक आयोजित किया। इनके अलावा, क्षे.प्र.सं, कोलकाता ने एमसीटीपी पाठ्यक्रम (स्तर 1 और स्तर 2) की आयोजन किया जिसमें नव पदोन्नत सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के साथ-साथ डीआरएएओ के लिए प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल थे। हमने 2018 बैच के (डीआरएएओ के तीसरे चरण का प्रशिक्षण भी आयोजन किया और इस अवधि के दौरान 2019-20 बैच के लिए चरण-1 का प्रशिक्षण शुरू हो गया है।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता ने अनुपालन लेखा परीक्षा के लिए ज्ञान केंद्र के रूप में उत्कृष्टता के लिए अपनी खोज में वर्ष 2023-24 में "जीआईएस के माध्यम से लेखा परीक्षा" पर दो अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाई है ताकि प्रतिभागियों को लेखापरीक्षा में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के लिए कार्यप्रणाली से सवारा जा सके।

हम प्रशिक्षण प्रदान करने में उच्च मानकों तक पहुंचने के अपने प्रयासों का वादा करते हैं और अपने हितधारकों की क्षमता निर्माण की आवश्यकता को पूरा करना जारी रखेंगे। क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए संकाय प्रदान करने के लिए आईए एंड एडी कार्यालयों के साथ-साथ बाहरी संगठनों का भी आभारी है और हम भविष्य में सहयोग पाने की आशा राखते हैं।

मैं भविष्य में इस समाचार पत्र के माध्यम से क्षे.प्र.सं, कोलकाता के प्रदर्शन और उपलब्धियों के बारे में अपने सभी पाठकों को बताना जारी रखूंगा।

हम न्यूजलेटर को बेहतर बनाने के लिए पाठकों के इनपुट के साथ-साथ क्षे.प्र.सं में प्रशिक्षण सामग्री के लिए खुले विचारों का स्वागत करते हूँ।

अतुल प्रकाश
प्रधान निदेशक
क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

सूचीपत्र	
विवरण	**पृष्ठ संख्या**
(क) क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता में महत्वपूर्ण दिनों का पालन	**3**
(i) क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा 31 अक्टूबर 2022 को राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह	**3**
(ii) 31.10.2022 से 06.11.2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का पालन	**4**
(iii) द्वितीय लेखापरीक्षा दिवस का पालन	**6**
(iv) 30 जनवरी 2023 को शहीद दिवस का पालन	**8**
(ख) अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 तक क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित इंडक्शन **प्रशिक्षण कार्यक्रम**	**9**
(i) नव पदोन्नत पर्यवेक्षकों/सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम	**9**
(ii) 2018 बैच के डीआरएएओ के लिए चरण III - इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम	**10**
(iii) सीजीएलई 2019 और 2020 बैच के 11 डीआरएएओ के लिए चरण- I प्रशिक्षण	**11**
(ग) अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 तक क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम	**13**
(i) एमसीटीपी-स्तर 2 प्रशिक्षण	**13**
(घ) ज्ञान केंद्र की गतिविधियाँ	**15**
(i) अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	**15**
(क) रेलवे ऑडिट पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (सिविल और मैकेनिकल)	**15**
(ख) अनुपालन लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	**16**
(ग) रेलवे खातों (Accounts) की प्रमाणन लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	**18**
(ii) "दक्षिण अफ्रीका के रेलवे प्राधिकरण का ऑडिटिंग" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सहायता का दूसरा चरण - अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	**19**
(iii) संरचित प्रशिक्षण मॉड्यूल (एसटीएम)/ केस स्टडीज की तैयारी	**21**

(ङ) क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक	**21**
(च) सामान्य प्रशिक्षण	**22**
(i) कंपनी अधिनियम 2013 सहित वाणिज्यिक लेखा परीक्षा	**22**
(ii) अनुबंध प्रबंधन (Contract Management)	**24**
(iii) लोक निर्माण सहित अनुबंधों (Contract) और निविदाओं (Tenders) की लेखापरीक्षा	**25**
(iv) सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) का ऑडिट	**26**
(v) क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा संचालित अन्य सामान्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	**28**
(छ) सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण	**30**
(i) ई-गवर्नेंस, आईबीईएमएस (iBEMS) और पीएफएमएस (PFMS) पर प्रशिक्षण	**30**
(ii) एमएस एक्सेल एडवांस	**32**
(iii) क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा संचालित अन्य आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम	**34**
(ज) उपयोगकर्ता कार्यालयों की ओर से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम और इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकें आयोजित करने के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा प्रदान किया गया	**36**
(झ) उपयोगकर्ता कार्यालयों और आईए एवं एडी (IA &AD) के बाहर दिया गया प्रशिक्षण	**37**
(ज) हिन्दी पत्रिका "ज्ञान अमृत" का प्रकाशन	**38**

(क) क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता में महत्वपूर्ण दिवस का पालन

(i) क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा 31 अक्टूबर 2022 को राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह

राष्ट्रीय एकता दिवस का अवलोकन करते हुये क्षे.प्र.सं, कोलकाता के अधिकारियों, प्रशिक्षुओं और संकायों

सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती पर हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में पूरे देश में मनाया जाता है। यह हमारे राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को संरक्षित और मजबूत करने के लिए हमारे समर्पण को बढ़ावा देने है और मजबूत करने का एक विशेष अवसर भी है। भारत सरकार ने 2014 में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती को हर साल राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य भारत को एकजुट करना और उनके महान प्रयासों के श्रद्धांजलि देने के लिए किए गए है। 2014 में इस दिन का उद्घाटन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम के रूप में किया था। राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने का उद्देश्य देश की एकता का उत्थान करना और सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र के लिए योगदान के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस दिन का पालन हमें राष्ट्र की एकता, अखंडता और रक्षा को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है। क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता के अधिकारियों, प्रशिक्षुओं और संकायों ने संस्थान में एकता, अखंडता और सुरक्षा को मजबूत करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए शपथ ली।

इस प्रतिज्ञा ने राष्ट्र की अभिन्न शक्ति को बनाए रखने के लिए उनके समर्पण की भी पुष्टि की।

(ii) 31.10.2022 से 06.11.2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का पालन

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 के दौरान सत्यनिष्ठा शपथ लेते हुए क्षे.प्र.सं., कोलकाता के अधिकारियों और कर्मचारियों

सतर्कता और जागरूकता एक लोकतंत्र की पहचान है, 'लोगों द्वारा, लोगों की और लोगों के लिए' शासन की एक प्रणाली है जो पारदर्शिता के द्वारा और नियंत्रण और संतुलन की प्रणाली से वैधता प्राप्त करती है।

लेकिन वास्तव में, लोकतंत्र अक्सर धोखाधड़ी और भ्रष्टाचारों से त्रस्त होते हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए सर्वोच्च संस्था है। यह आयोग भ्रष्टाचार से निपटने के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाता है जिसमें निवारक, दंडात्मक और सहभागितापूर्ण सतर्कता उपाय शामिल हैं। देश के नागरिकों के बीच अखंडता की भावना पैदा करने वाले पर्यावरण को बढ़ावा देने के प्रयास के रूप में आयोग हितधारकों को जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से भ्रष्टाचार विरोधी उपायों में सामूहिक रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह भ्रष्टाचार के खतरों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने में आयोग का एक साधन है।

श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं, कोलकाता द्वारा केंद्रीय जांच ब्यूरो की विशेष अपराध शाखा के उप महानिरीक्षक श्री सुधांशु कुमार खरे का अभिनंदन।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह प्रत्येक वर्ष उस सप्ताह के दौरान मनाया जाता है जिसमें सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्मदिन (31 अक्टूबर) पड़ता है। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह 31.10.2022 से 06.11.2022 तक "भ्रष्टाचार मुक्त भारत एक उन्नत राष्ट्र के लिए" विषय के साथ मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता के अधिकारियों को सत्यनिष्ठा शपथ दिलाने के साथ हुई। अवकाश पर गए अधिकारियों ने ई-शपथ ली थी।

श्री अनादि मिश्रा, महालेखाकार (ऑडिट-II), पश्चिम बंगाल का श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं, कोलकाता द्वारा अभिनंदन।

श्री अनादि मिश्रा, महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता और श्री सुधांशु कुमार खरे, उप महानिरीक्षक, केंद्रीय जांच ब्यूरो की विशेष अपराध शाखा ने 03.11.2022 और 04.11.2022 को भ्रष्टाचार के खतरों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का महत्व को अपने भाषण में दर्शया। अधिकारियों ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता के अधिकारियों को भ्रष्टाचार की रोकथाम के साधनों के बारे में जानकारी दी।

(iii) द्वितीय लेखापरीक्षा दिवस का आयोजन

ऑडिट दिवस उस दिन को पुण्यस्मरण करता है जब 1860 में प्रथम महालेखापरीक्षक ने इस कार्यालय का कार्यभार संभाला था।

समय के साथ, सी.ए.जी. की भूमिका हमारे देश के लोकतंत्र और शासन को मजबूत करने के लिए व्यापक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए विकसित हुई है। यह दिन इस संस्था के प्रत्येक सदस्य को “लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा” - सत्य का मार्ग के हमारे आदर्श वाक्य का एक अनुस्मारक है। यह दिन अच्छी प्रथाओं, व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा और उच्च पेशेवर मानकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का दिन है। यह हममें से प्रत्येक - संस्था के अधिकारियों और कर्मचारियों को हमारे हितधारकों के साथ जुड़ने और इस देश के नागरिकों को एक सार्वजनिक लेखापरीक्षा प्राधिकरण के रूप में उनकी समर्पित सेवा के बारे में बताने का अवसर प्रदान करता है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक, नई दिल्ली के कार्यालय के निर्देशों के अनुसरण में सभी क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा लेखापरीक्षा सप्ताह मनाया जाता है। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता को सजाया गया था और सभी अधिकारियों ने सीएजी कार्यालय में दूसरे लेखापरीक्षा दिवस के समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग देखी।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय में दूसरे लेखापरीक्षा दिवस का उद्घाटन किया। उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने उद्घाटन के दौरान अपने भाषण में कहा कि जवाबदेही और पारदर्शिता जुड़वाँ हैं, जो हमारी लोकतांत्रिक प्रगति को बनाए रखने में मदद करते हैं।

ऑडिट दिवस के उपलक्ष्य में इस कार्यालय ने "पश्चिम बंगाल में जल संसाधनों की स्थिरता- इसकी चुनौतियों और सी एंड एजी, भारत से अपेक्षाओं पर एक दृष्टिकोण" विषय पर विशेषज्ञ भाषण कार्यक्रम में नेचर एनवायरनमेंट एंड वाइल्डलाइफ सोसाइटी (न्यूज) की संयुक्त सचिव और कार्यक्रम निदेशक सुश्री अजंता दे को आमंत्रित किया। क्षे.प्र.सं, कोलकाता के अधिकारियों

के अलावा उपयोगकर्ता कार्यालयों के अधिकारियों को भी इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम की सभी प्रतिभागियों ने खूब सराहना की।

सुश्री अजंता दे , संयुक्त सचिव और कार्यक्रम निदेशक, नेचर एनवायरनमेंट एंड वाइल्डलाइफ सोसाइटी, श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं , कोलकाता और श्री एस सुरेश कुमार, उप महालेखाकार (ऑडिट- II), पश्चिम बंगाल, क्षे.प्र.सं, कोलकाता के अधिकारियों के साथ।

महालेखाकार का कार्यालय **(ऑडिट- II)**, पश्चिम बंगाल, कोलकाता और रिवर रेंजर्स नाम के गैर सरकारी संगठन जो सतत विकास के क्षेत्र में काम कर रही है, उनके साथ यह संस्थान संयुक्त रूप से 21 नवंबर 2022 को मुल्लिक घाट, कोलकाता में "स्वच्छता अभियान" के तहत एक नदी सफाई अभियान और जागरूकता की कार्यक्रम का आयोजन किया था। श्री अनादि मिश्रा, महालेखाकार, श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, सुश्री अदिति शर्मा, वरिष्ठ उप महालेखाकार, श्री पवन कुमार कोंडा, वरिष्ठ उप महालेखाकार, श्री आशीष तिरके, उप महालेखाकार एवं क्षे.प्र.सं, कोलकाता के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया और प्लास्टिक हटाने पर ध्यान देने के साथ साथ स्वच्छ नदी के लक्ष्य की दिशा में अपना योगदान दिया।

श्री अनादि मिश्रा, महालेखाकार (ऑडिट-II), पश्चिम बंगाल, श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं, कोलकाता, सुश्री अदिति शर्मा, वरिष्ठ उप महालेखाकार, श्री आशीष तिरके, उप महालेखाकार और श्री उज्जल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, क्षे.प्र.सं, कोलकाता नदी सफाई अभियान के दौरान रिवर रेंजर्स के अधिकारियों के साथ।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता के कर्मचारियों के लिए 22 नवंबर 2022 को एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता निर्धारित की गई थी। श्री उत्तम दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी क्विज मास्टर थे और क्विज का विषय "सीएजी (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971" था। इस कार्यालय के वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी श्री उज्ज्वल बोस प्रतियोगिता में विजयी रहें।

(iv) 30 जनवरी 2023 को शहीद दिवस का पालन

हर साल 30 जनवरी को पूरे देश में सुबह 11 बजे भारत की आजादी की लड़ाई में शहीद हुए लोगों की याद में दो मिनट का मौन रखा जाता है।

30 जनवरी 2023 को प्रधान निदेशक, क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता सहित सभी कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

(ख) अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 तक क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम

(i) नए पदोन्नत पर्यवेक्षकों/सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम

मुख्यालय कार्यालय ने नव पदोन्नत सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के लिए वर्ष 2022 में 6 (छह) सप्ताह का इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। प्रशिक्षण मॉड्यूल नव पदोन्नत सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को वित्तीय और लागत लेखांकन (कोस्ट अकाउनिंग), सरकारी लेखा, लेखापरीक्षा मानकों, जीआईएस और रिमोट सेंसिंग के संचालन से पर्यावरण लेखापरीक्षा और प्रदर्शन लेखापरीक्षा (परफॉरमेंस ऑडिट), वीएलसी आदि, संबंधित विषयों का अवलोकन देने के साथ ही साथ उनकी सॉफ्ट स्किल्स का विकास पर भी केंद्रित था, ताकि वे अपनी नई अधिग्रहीत भूमिका के साथ स्वयं को निपुण बना सकें।

पाठ्यक्रम के लिए संकाय, अपने विभाग के विभिन्न कार्यालयों के साथ-साथ आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, नेताजी सुभाष ओपन यूनिवर्सिटी, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र आदि जैसे प्रतिष्ठित बाहरी संस्थानों से भी लाए गए थे। श्री सतीश कुमार गर्ग, प्रधान महालेखाकार, श्री अनादि मिश्रा, महालेखाकार, श्री अनिंद्य दासगुप्ता, महालेखाकार, सुश्री अदिति शर्मा, वरिष्ठ उप महालेखाकार, श्री लिंगराज नायक एस, उप महालेखाकार, श्री आशीष तिरके, उप महालेखाकार और सुश्री साहिल सांगवान, उप महालेखाकार विभिन्न सत्रों के लिए संकाय के रूप में कार्य किया।

सॉफ्ट स्किल्स पर विषयों को कवर करने के लिए प्रतिष्ठित सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों के संकायों को आमंत्रित किया गया था। श्री राजश्री मुखर्जी ने जवाबदेही और स्वामित्व (अकाउनबिलिटी एण्ड ओनर्शिप) पर सत्र लिया, लेफ्टिनेंट कर्नल आशिक ऋषभ ने प्रतिबद्धता (कमिट्मन्ट) पर सत्र लिया, कर्नल प्रबीर सेनगुप्ता ने पर्यवेक्षी कौशल (सुपर्वीसीनग स्किल्स), तालमेल निर्माण (रैपो बिल्डिंग), भूमिका परिवर्तन और उदाहरण के द्वारा नेतृत्व (रोल चेंज एण्ड लेडिंग बाइ इग्ज़ैम्पल) पर चार सत्र लिए, डॉ पापिया उपाध्याय ने विविधता, समावेश और सकारात्मक दृष्टिकोण (डाइवर्सिटी & इन्क्लूशन एण्ड पाज़िटिव अप्रोच) पर सत्र लिया, सुश्री तरनजीत कौर चौहान ने आलोचना और इससे निपटने (क्रिटिसिज़म एण्ड हाउ टू डील विद इट) के तरीकों पर सत्र लिया। अपने सत्रों के दौरान संकायों द्वारा साझा किया गया अनुभव अधिकारियों के लिए काफी समृद्ध और मददगार रहा। अधिकारियों को कोषागार के कामकाज

के बारे में समग्र दृष्टिकोण देने के लिए राज्य कोषागार का एक अध्ययन यात्रा भी आयोजित किया गया था।

श्री अनादि मिश्रा, महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल और श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं, कोलकाता नव पदोन्नत सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के साथ।

(ii) 2018 बैच के डीआरएएओ के लिए तीसरे चरण का इंडक्शन प्रशिक्षण

रेलवे लेखापरीक्षा शाखा में सीधे भर्ती हुए सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए प्रारंभिक प्रशिक्षण का चरण III 09 जनवरी 2023 से 07 मार्च 2023 तक हुई। इस अवधि के दौरान, अधिकारियों को संघर्षों को हल करने, समस्याओं को हल करने और दूसरों के साथ सौहार्दपूर्ण ढंग से बातचीत करने की क्षमता बढ़ाने के लिए विभिन्न सॉफ्ट स्किल्स पर प्रशिक्षित किया गया, जिससे सहकर्मियों और अन्य पेशेवर संपर्कों के साथ मजबूत संबंध बनेंगे। इन-हाउस संकाय ने सॉफ्ट स्किल्स जैसे उत्साह, चेंज मैनेजमेंट, एनर्जी मैनेजमेंट, कंफ्लिक्ट रेजोल्यूशन आदि पर प्रशिक्षण दिया और बाहरी संकाय जैसे सुश्री तरनजीत कौर चौहान, चीफ एम्पावरमेंट कोच, कर्नल करण धवन, सॉफ्ट स्किल्स विषय जैसे प्रतिबद्धता, दृढ़ विश्वास के साथ बोलना और कौशल को प्रभावित करना आदि पर प्रशिक्षण दिया। ।

प्रतिभागियों को भारतीय रेलवे और उसके कामकाज से संबंधित विषयों की गहन जानकारी देने के लिए भारतीय रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी जैसे श्री जय प्रकाश यादव, मुख्य अभियंता, श्री पंकज कुंवर, मुख्य अभियंता, श्री अशोक कुमार साहा, अधीक्षण अभियंता, श्री समरेश भट्टाचार्जी,

अधीक्षण अभियंता, श्री सिबशंकर चक्रवर्ती, अधीक्षण अभियंता, श्री सुरेश प्रसाद सिंह, कार्यकारी अभियंता (योजना) को संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था।

श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं, कोलकाता और क्षे.प्र.सं, कोलकाता के संकाय 2018 बैच के डीआरएएओ (रेलवे) के साथ

(iii) संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा 2019 और 2020 बैच के डीआरएएओ के लिए चरण- I का इंडक्शन प्रशिक्षण

संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा 2019 और 2020 बैच के सीधे भर्ती हुए रेलवे लेखापरीक्षा शाखा के सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए 13 मार्च 2023 से इंडक्शन प्रशिक्षण के चरण I का भाग 1 शुरू हुआ। प्रशिक्षण मुख्य रूप से उम्मीदवारों को मई 2023 के महीने में आयोजित होने वाली अधीनस्थ लेखापरीक्षा सेवा परीक्षा का एक अवलोकन देने पर केंद्रित था और इस दौरान अधीनस्थ लेखापरीक्षा सेवा परीक्षा के पाठ्यक्रम को कवर किया गया था ताकि उम्मीदवारों को परीक्षा उत्तीर्ण करने में सक्षम बनाया जा सके।

उम्मीदवारों को रेलवे के विषयों का बेहतर अवलोकन देने के लिए भारतीय रेलवे के संकाय सदस्यों को आमंत्रित किया गया था। विभिन्न आईए एंड एडी कार्यालयों के डोमेन विशेषज्ञों के साथ-साथ प्रतिष्ठित पेशेवर संगठनों जैसे इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया आदि को संकाय के रूप में बुलाया गया था ताकि उम्मीदवारों को परीक्षा में शामिल विषयों का गहन ज्ञान दिया जा सके।

बाहरी संकायों में श्री शिखर बेहरा, उप सी.एम.ई, भारतीय रेलवे, सुश्री अनन्या दत्ता चौधरी, उप श्रम आयुक्त (पी), श्रम आयुक्तालय, पश्चिम बंगाल सरकार, श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड एकाउंटेंट, श्री प्रणब कुमार सिकदर, संकाय, आई.सी.ए.आई.-सी.एम.ए., सुश्री देबश्री मुखर्जी, प्रमुख वाणिज्यिक निरीक्षक, भारतीय रेलवे, सुश्री सायंतनी पॉल, मुख्य वाणिज्यिक निरीक्षक, परिवहन सेवा, भारतीय रेलवे, श्री गौतम रॉय, ए.एफ.ए, भारतीय रेलवे, श्री विश्वजीत बसाक, ए.एफ.ए, भारतीय रेलवे, श्री तरुण कुमार दत्ता, ए.एफ.ए, पूर्वी रेलवे, भारतीय रेलवे, सुश्री मीता रॉय, ए.एफ.ए, भारतीय रेल, श्री शांतनु मुखर्जी, वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (पूर्वी रेलवे), कोलकाता, श्री प्रोसेनजीत सेन, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला), कोलकाता, श्री जॉयदेब चक्रवर्ती, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, लेखापरीक्षा के प्रधान निदेशक का कार्यालय, रेलवे उत्पादन इकाइयां और मेट्रो रेलवे, कोलकाता, श्री देबाशीष सिन्हा, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (पूर्वी रेलवे), कोलकाता, श्री संदीप कोनार, सहायक लेखा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल, श्री सब्यसाची प्रधान, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी (तदर्थ), महालेखाकार कार्यालय (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता और श्री हेमंत पाल आमंत्रित थे ।

श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं, कोलकाता और क्षे.प्र.सं, कोलकाता के संकायों के साथ 2019 और 2020 बैच के डीआरएएओ ।

(ग) क्षे.प्र.सं, कोलकाता द्वारा अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 तक आयोजित मिड- कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारियों और सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए विभाग में वर्ष 2021 में मिड-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य एक अधिकारी को पेशेवर, निष्पक्ष और कुशल बनाना था, जो विभाग की जरूरतें के प्रति उत्तरदायी हो।

एमसीटीपी की केंद्रीयता यह सुनिश्चित करना है कि अधिकारियों के पास उन्हें सौंपे गए कार्यों को प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के लिए अपेक्षित ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण हो। अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 की अवधि के दौरान क्षे.प्र.सं, कोलकाता द्वारा निम्नलिखित एमसीटीपी प्रशिक्षण आयोजित किए गए थे।

(i) **एमसीटीपी-स्तर 2 प्रशिक्षण**

एमसीटीपी स्तर 2 प्रशिक्षण उन अधिकारियों को दिया जाता है जिन्होंने सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के संवर्ग में सात वर्ष की सेवा पूरी कर ली है। अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 की अवधि के दौरान दो एमसीटीपी स्तर-2 प्रशिक्षण आयोजित किए गए थे। एक प्रशिक्षण अक्टूबर 2022 और दूसरा प्रशिक्षण दिसंबर 2022 के महीने में आयोजित किया गया जिसमें 29 और 24 अधिकारियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

सॉफ्ट स्किल विषयों में समूह की गतिशीलता/गतिकी, आंतरिक और बाहरी हितधारकों के साथ प्रभावी संचार, मौखिक और गैर-मौखिक संचार, प्रेरणा, व्यक्तिगत नैतिकता, पेशेवर नैतिकता विषयों पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया था साथ ही साथ तकनीकी विषयों जैसे कि सतत विकास लक्ष्यों का लेखा-जोखा और सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के 2030 एजेंडे का परिचय, लिंग संवेदनशीलता, बिग डेटा दृष्टिकोण को अपनाना, आईए एंड एडी बिग डेटा नीति और दिशानिर्देश, वित्तीय बाजार और पूंजी बाजार, सूचना प्रौद्योगिकी (IT) प्रणाली का अवलोकन; IT में जोखिम पर्यावरण, साइबर सुरक्षा, आईटी (संशोधित) अधिनियम 2008, भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सीईआरटी-इन) को भी प्रशिक्षण में शामिल किया गया था।प्रख्यात संकाय जैसे की श्री देबजीत गोस्वामी, सहायक प्रोफेसर, एन.एस.ओ.यू. सुश्री अपरूपा दत्ता, प्रोजेक्ट्स एंड स्टेकहोल्डर मैनेजर, वाई-ईस्ट, सुश्री संजीना गुप्ता, संस्थापक और सीईओ, रंगीन खिड़की फाउंडेशन (जेंडर सेंसिटाइजेशन के क्षेत्र में काम करने वाले एक गैर सरकारी संगठन) ने प्रशिक्षण के दौरान व्याख्यान दिया।

अक्टूबर 2022 और दिसंबर 2022 के दौरान एमसीटीपी स्तर 2 प्रशिक्षण के प्रतिभागियों के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (एस.ए.आई), कोलकाता और आई.सी.एम.आर.-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉलरा एंड एंटेरिक डिजीज (एन.आई.सी.ई.डी.), कोलकाता का **अध्ययन यात्रा** का आयोजन किया गया **था**।

सॉफ्ट स्किल्स पर प्रशिक्षण के दौरान समूह चर्चा करते एमसीटीपी- स्तर 2 के प्रतिभागी

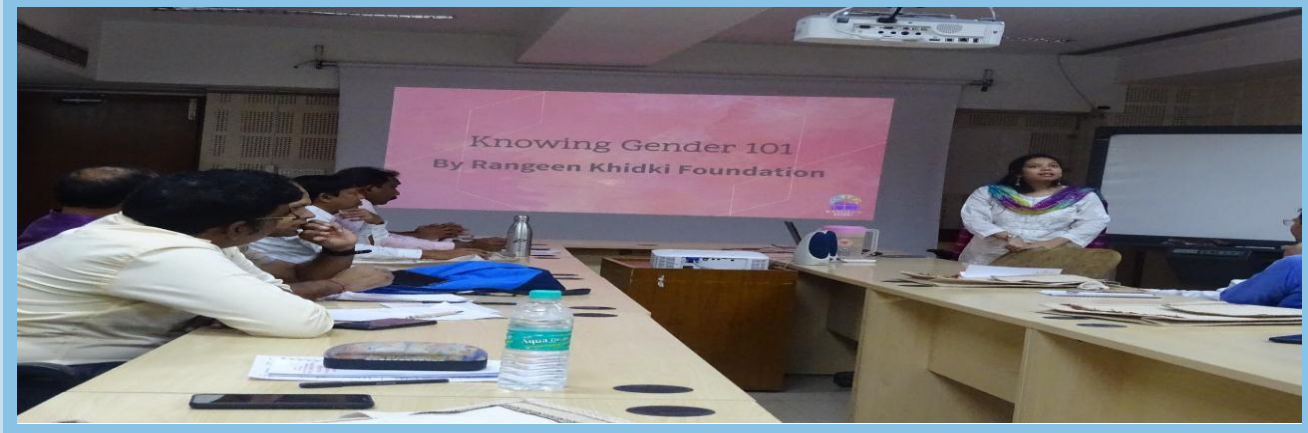

सुश्री संजीना गुप्ता, संस्थापक और सीईओ, रंगीन खिड़की फाउंडेशन एमसीटीपी स्तर 2 के प्रतिभागियों के साथ लिंग संवेदीकरण के विषय पर चर्चा करते हुए

(घ) ज्ञान केंद्र की गतिविधियाँ

(i) अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

(क) रेलवे लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (सिविल और मैकेनिकल)

विभिन्न तकनीकी विभागों के साथ-साथ गैर-तकनीकी विभागों द्वारा भारतीय रेलवे के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित किया जाता है। रेलवे ऑडिट कार्यालयों के कर्मचारियों को भारतीय रेलवे के मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल विभागों के कामकाज की बेहतर समझ देने के लिए 01 फरवरी 2023 से 03 फरवरी 2023 तक अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

इलेक्ट्रिकल जनरल सर्विसेज सभी रेलवे सेवाओं (ट्रैक्शन उद्देश्य को छोड़कर) को बिजली आपूर्ति के वितरण और यात्री कोचों (एसी और गैर-एसी कोच) के रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। इलेक्ट्रिकल जनरल सर्विसेज का पावर पक्ष सभी रेलवे सेवाओं (ट्रैक्शन को छोड़कर) में बिजली के वितरण और रेलवे परिसर में बाहरी लोगों को बिजली की आपूर्ति के विस्तार में शामिल उपकरणों की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है।

HT 11kV की आपूर्ति हेतु राज्य विद्युत बोर्डों से विद्युत खरीदी जाती है और ट्रांसफार्मर के माध्यम से स्टेप- डाउन करने के बाद विद्युत शक्ति वितरण किया जाता है ।

यांत्रिक विभाग, जिसे रोलिंग स्टॉक विभाग के रूप में भी जाना जाता है, यात्री डिब्बों, मालगाड़ी/माल-डिब्बा, इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट्स/मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट्स, डीजल-इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट्स और क्रेन सहित रोलिंग स्टॉक के रखरखाव के लिए जिम्मेदार है।

इसके अलावा, यह वर्कशॉप, ईएमयू कार शेड, कोचिंग डिपो, फ्रेट डिपो और अन्य कार्य केंद्रों में बड़ी संख्या में मशीनरी और प्लांट का रखरखाव करता है। यह विभाग रोलिंग स्टॉक, संयंत्र और मशीनरी की खरीद के लिए योजना भी बनाती है और ट्रेन संचालन में स्टॉक की सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करती है।

भारतीय रेलवे के इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल विभागों के अधिकारियों को "ओपन लाइन वर्क्स और निर्माण परियोजनाओं में सिविल इंजीनियरिंग विभाग की भूमिका" निर्माण परियोजनाओं और ओपन लाइन कार्यों के अनुमानों की तैयारी और जांच के लिए महत्वपूर्ण बिंदु", "यांत्रिक संपत्तियों की योजना और रखरखाव में यांत्रिक विभाग की भूमिका और कार्य", "रेलवे लेखा

विभाग द्वारा सिविल इंजीनियरिंग और यांत्रिक इंजीनियरिंग की आंतरिक लेखापरीक्षा" आदि जैसे विषयों पर प्रशिक्षण सत्र के लिए व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

बाहरी संकायों में श्री जय प्रकाश यादव, मुख्य अभियंता, श्री पंकज कुंवर, मुख्य अभियंता, श्री शिखर बेहरा, डेपुटी सीएमई, श्री के.ए.जे. बाबू, उप मुख्य अभियंता, श्री सुरेश प्रसाद सिंह, कार्यकारी अभियंता, श्री तरुण कुमार दत्ता, ए. एफ. ए, और श्री जमीलुद्दीन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (दक्षिण मध्य रेलवे), सिकंदराबाद का कार्यालय से सामिल था। सत्रों के दौरान चर्चा की गई यांत्रिक विभाग, केस स्टडी से संबंधित विषयों की प्रतिभागियों ने अत्यधिक सराहना की।

श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं, कोलकाता रेलवे लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (सिविल और मैकेनिकल) के प्रतिभागियों और संकाय सदस्यों के साथ।

(*ख*) अनुपालन लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

अनुपालन लेखापरीक्षा इस बात का आकलन है कि लागू कानूनों, नियमों और विनियमों के प्रावधानों और सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए विभिन्न आदेशों और निर्देशों का पालन किया जा रहा है या नहीं। यह लेखापरीक्षा अपनी प्रकृति से जवाबदेही, सुशासन और पारदर्शिता को बढ़ावा देती है क्योंकि यह विषयांतरकरण की रिपोर्टिंग, कमजोरियों की पहचान करने और औचित्य का आकलन करने से संबंधित है।

सूचना प्रौद्योगिकी के आगमन ने हमारे काम करने के तरीके को कई तरह से बदल दिया है। सूचना प्रौद्योगिकी ने अनुपालन लेखापरीक्षा करने की मौजूदा प्रक्रिया में क्रांति ला दी है और लेखापरीक्षकों के लिए एक सहायक उपकरण प्रदान किया है।

अनुपालन लेखापरीक्षा पर एक अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (01 मार्च 2023 से 03 मार्च 2023) का आयोजन लेखापरीक्षा कार्यालयों द्वारा अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रसार करने के दृष्टिकोण से किया गया था। कैटेलिस्ट 2021 में छपे ऑडिट पैरा/रिपोर्ट और साथ ही ऑडिट दिवस 2022 के दौरान सम्मानित किए गए ऑडिट पैरा/रिपोर्ट, प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान केस स्टडी के रूप में चर्चा के लिए चुने गए थे एवं इस संस्थान द्वारा विकसित और अनुमोदित केस स्टडी भी चुने गए थे ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन श्री अनादि मिश्रा, महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दो सत्रों में, श्री उत्तम दास, कोर फैकल्टी, क्षे.प्र.सं, कोलकाता और श्री राहुल बरुआ, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल ने अनुपालन लेखापरीक्षा जोखिम रूपरेखा और लेखापरीक्षा योजना की तैयारी, निष्पादन और अनुपालन लेखापरीक्षा की रिपोर्टिंग के बारे में चर्चा की। मोहम्मद सुहैल फज़ल, उप महालेखाकार ने कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), मध्य प्रदेश द्वारा अनुपालन लेखापरीक्षा के लिए क्रियान्वित की जा रही गतिविधि आधारित योजना के बारे में चर्चा की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के सत्रों के दौरान चर्चा किए गए अन्य महत्वपूर्ण विषयों में वीएलसी के माध्यम से प्राप्त वाउचर डेटा के विश्लेषण में लेखा और लेखापरीक्षा कार्यालयों में डेटा विश्लेषण मॉडल का उपयोग, राष्ट्रीय उद्यानों में अतिक्रमण और भूमि उपयोग भूमि कवर परिवर्तन का पता लगाने में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का उपयोग, केस स्टडीज के साथ वन्यजीव अभयारण्य, केस स्टडीज के साथ पब्लिक वर्क्स में गूगल मैप्स/गूगल आर्थ का इस्तेमाल, केस स्टडीज के साथ रिसीप्ट्स ऑडिट, केस स्टडीज के साथ नोएडा की संपत्तियों के भूमि अधिग्रहण और आवंटन के ऑडिट मुद्दे, केस स्टडीज के साथ दरों की अनुसूची तैयार करने के लिए अपनाई गई प्रणाली में खामियों पर ऑडिट भी शामिल है।

प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं, कोलकाता ने धोखाधड़ी और जोखिमों पर केस स्टडीज पर चर्चा की। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के ऑडिट के साथ-साथ क्षे.प्र.सं, कोलकाता द्वारा तैयार केस स्टडीज पर भी चर्चा की। सत्र सर्वाधिक प्रशंसित सत्रों में से एक थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के पूरा होने के बाद, प्रतिभागियों को गंगा नदी पर नाव की सवारी के लिए ले गया था। 3-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद प्रतिभागियों के लिए यह दौरा काफी स्फूर्तिदायक था और प्रतिभागियों द्वारा संस्थान के प्रयासों की सराहना की गई।

श्री उत्तम दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, क्षे.प्र.सं, कोलकाता, द्वारा इस संस्थान में विकसित की गई केस स्टडी पर चर्चा करते हुए।

(ग) रेलवे खातों की प्रमाणन (Certification) लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत में सरकारी स्वामित्व वाली रेलवे एक विभागीय वाणिज्यिक उद्यम है। इसलिए, रेलवे खातों को न केवल वाणिज्यिक लेखांकन की आवश्यकताओं को सुरक्षित करना चाहिए बल्कि सरकारी लेखांकन की प्रथाओं के अनुरूप भी होना चाहिए।

रेलवे के खातों को व्यावसायिक आधार पर नियमित सरकारी खाते से बाहर रखकर इस उद्देश्य को प्राप्त किया जाता है। इसे एक लिंक के माध्यम से रेलवे की गतिविधियों को चलाने में अर्जित राजस्व और किए गए व्यय को दिखाकर बनाए रखा जाता है।

इन पेचीदगियों (intricacies) का प्रसार करने की दृष्टि से 13 मार्च 2023 से 17 मार्च 2023 तक रेलवे खातों के प्रमाणन लेखापरीक्षा पर एक अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण की शुरुआत रेलवे खातों की संरचना और रेलवे लेखा विभाग की भूमिका और उत्तरदायित्व **(responsibility)** को विस्तार से बताने वाले सत्रों के साथ हुई। सत्र का संचालन श्री कृष्ण कांत गोयल, एफए एंड सीएओ (बी एंड बी) द्वारा किया गया। प्रशिक्षण सत्रों में भारतीय रेल लेखा नियम, रेल बजट तैयार करना, लेखापरीक्षा द्वारा जारी विभिन्न प्रमाण-

पत्र, लेखा विभाग में कम्प्यूटरीकृत एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर, आईपीएएस की विभिन्न विशेषताएं आदि विषयों को भी शामिल किया गया।

बाहरी संकायों में श्री अभिजीत रे, उप एफए और सीएओ, भारतीय रेलवे, सुश्री मीता रॉय, एएफए, भारतीय रेलवे, **श्री** सिद्धांत कुमार पाल, वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी, भारतीय रेलवे और श्री शंकर चट्टोपाध्याय, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (सेवानिवृत्त) एवं श्री रंजन दास, वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, कोर संकाय, क्षे.प्र.सं, कोलकाता शामिल थे।

प्रतिभागियों द्वारा इस पाठ्यक्रम की अत्यधिक सराहना की गई और यह संस्थान प्रशिक्षण सत्रों के लिए फैकल्टी प्रदान करके रेल मंत्रालय द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता है।

श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं, कोलकाता रेलवे खातों के प्रमाणीकरण लेखा परीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ

(ii) "दक्षिण अफ्रीका के रेलवे प्राधिकरण का लेखापरीक्षा" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सहायता का दूसरा चरण - अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

साई, **दक्षिण अफ्रीका** के लिए रेलवे ऑडिट प्रशिक्षण का दूसरा चरण मुख्यालय के अंतर्राष्ट्रीय विंग द्वारा 13.02.2023 से 17.02.2023 तक निर्धारित किया गया था।

सत्रों में रेलवे ऑडिटिंग, भारतीय रेलवे में दूरसंचार प्रणाली, भारतीय रेलवे में आईटी ऑडिट आदि पर दृष्टिकोण शामिल थे, और प्रशिक्षण सत्रों के वक्ताओं में श्री नीलोत्पल गोस्वामी, महानिदेशक, श्री विशाल बंसल, महानिदेशक, श्री आर नरेश, महानिदेशक, सुश्री सुहासिनी गोटमारे, प्रधान निदेशक, सुश्री तृप्ति गुप्ता, प्रधान निदेशक, श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, सुश्री संगीता पुरसवानी, प्रधान निदेशक, श्री बरुण ज्योति चंदा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, श्री एस.पी.एस. सागर, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी और श्री शिशिर कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी शामिल थे।

साई, दक्षिण अफ्रीका के प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण की अत्यधिक सराहना की गई।

श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता "दक्षिण अफ्रीका के रेलवे प्राधिकरण का लेखा-जोखा" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सहायता के एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान

(iii) संरचित प्रशिक्षण मॉड्यूल (एसटीएम)/ केस स्टडी तैयार करना

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता ने अवधि के दौरान "पीआरआई द्वारा बिल्डिंग प्लान की स्वीकृति" पर एक केस स्टडी तैयार की और केस स्टडी को मुख्यालय द्वारा अनुमोदित और प्रसारित किया गया।

यह साई प्रशिक्षण पोर्टल में उपलब्ध है। **"कानूनी शुल्क का छलपूर्ण भुगतान" और "भारतीय रेलवे में समयपालन और यात्रा समय"** पर केस स्टडी भी तैयार की गई है और अनुमोदन के लिए मुख्यालय भेजी गई है। "पंचायती राज संस्थाओं के विधायी ढांचे और लेखा ढांचे" पर एसटीएम को मुख्यालय द्वारा अद्यतन और अनुमोदित किया गया है और इसे साई **प्रशिक्षण** पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

"रैलवे यातायात कमाई की लेखापरीक्षा" पर एसटीएम की **Peer Review** की गई है और **Peer Review** अवलोकन का अनुपालन को दिसंबर **2022** में मुख्यालय को अग्रेषित किया गया है।

ङ) क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक

क्षेत्रीय सलाहकार समिति की वार्षिक बैठक 22 फरवरी 2023 को आयोजित की गई थी। बैठक की अध्यक्षता सुश्री सुपर्णा देब, महानिदेशक, लेखापरीक्षा (खान) कार्यालय की महानिदेशक ने की थी।

समिति ने फरवरी, **2023** के महीने तक क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आकलन किया और प्रशिक्षणों के प्रभाव के आकलन, डोमेन विशेषज्ञों को संकायों के रूप में साझा करने आदि पर चर्चा की।

समिति ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता के द्वारा आई.आई.टी., आई.सी.ए.आई., आई.सी.एम.ए.आई, आई.एस.आई., इसरो-एन.आर.एस.सी. आदि के डोमेन विशेषज्ञों को आमंत्रित करने के प्रयासों की सराहना की।

बैठक के दौरान 2023-24 के लिए सीओटीपी को अंतिम रूप देने पर भी चर्चा हुई और उपयोगकर्ता कार्यालयों के प्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त हुए।

क्षेत्रीय सलाहकार समिति की सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों को शामिल करने के बाद 2023-24 के लिए सीओटीपी को अंतिम रूप दिया गया।

दिनांक 22.02.2023 को हुई बैठक में क्षेत्रीय सलाहकार समिति के सदस्य

(च) सामान्य प्रशिक्षण

(i) कंपनी अधिनियम 2013 सहित वाणिज्यिक लेखा परीक्षा

कंपनी अधिनियम **2013** कंपनियों के गठन, विनियमन, जिम्मेदारियों और विघटन से संबंधित है। इसे अपने पूर्ववर्ती को बदलने के लिए पेश किया गया था ताकि अधिनियम वर्तमान कॉर्पोरेट परिदृश्य के अनुसार हो। इसके अतिरिक्त, इस अधिनियम का उद्देश्य संगठन की स्थापना और रखरखाव की प्रक्रिया को सरल बनाकर विकास को प्रोत्साहित और अर्थव्यवस्था के विकास करना है। इसके लिए, कंपनी अधिनियम **1956** में उल्लिखित कई नियमों और विनियमों को नया रूप दिया गया है और उनका आधुनिकीकरण किया गया है।

सीएजी (डीपीसी) अधिनियम, **1971** की धारा **19** के अनुसार कंपनी अधिनियम **1956** या कंपनी अधिनियम **2013** के तहत स्थापित संस्थाओं का हमारे विभाग के वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कार्यालयों द्वारा लेखापरीक्षण किया जाता है।

संस्थान ने **31** अक्टूबर **2022** से **04** नवंबर **2022** तक कंपनी अधिनियम **2013** सहित वाणिज्यिक ऑडिटिंग पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

प्रशिक्षण के लिए संकाय सदस्यों में श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड एकाउंटेंट, श्री प्रोसेनजीत सेन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला), कोलकाता, श्री फाल्गुनी बंद्योपाध्याय, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (खान), कोलकाता और श्री विवेक कुमार शर्मा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (खान), कोलकाता से शामिल थे।

प्रशिक्षण में वार्षिक वित्तीय विवरणों का अवलोकन और कंपनी अधिनियम **2013** के अनुसार बैलेंस शीट और लाभ और हानि खाता तैयार करने के लिए सामान्य प्रावधान, सरकारी कंपनियां और सीएजी के ऑडिट के लिए सरकारी कंपनियों का ऑडिट जनादेश, सरकारी कंपनियों के वार्षिक लेखाओं की प्रमाणन लेखापरीक्षा (अनुपूरक लेखापरीक्षा), वित्तीय विवरणों की मदों की लेखापरीक्षा (तुलन पत्र, लाभ और हानि खाता और नकदी प्रवाह), वित्तीय विवरणों की समेकन प्रक्रिया पर राय और सीएफएस की लेखापरीक्षा के दौरान चिंता के बिंदु से संबंधित प्रक्रिया आदि विषय कवर किए गए थे। पाठ्यक्रम का संतुष्टि स्तर **4.87** था।

श्री प्रोसेनजीत सेन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला), कोलकाता, अपने प्रशिक्षण सत्र 'लेखापरीक्षा योजना, लेखापरीक्षा उद्देश्य, भौतिकता, जोखिम विश्लेषण, अभिकथन की अवधारणा, दृष्टिकोण और नमूनाकरण पर' के दौरान

(ii) अनुबंध प्रबंधन (कान्ट्रैक्ट मैनिज्मन्ट)

अनुबंध प्रबंधन अनुबंधों के निर्माण से लेकर चुने हुए पक्ष द्वारा उनके निष्पादन तक और अनुबंध की अंतिम समाप्ति तक अनुबंधों के प्रबंधन की प्रक्रिया है। प्रमुख गतिविधियों में परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन को अधिकतम करने के लिए अनुबंध की शर्तों के खिलाफ प्रदर्शन विश्लेषण शामिल है और अनुबंध शर्तों के गैर-अनुपालन के माध्यम से वित्तीय और प्रतिष्ठित जोखिम की पहचान करना और उसे कम करना है। यह विषय कार्यालयों में मुख्यालय पर तैनात अधिकारियों के साथ-साथ फील्ड ऑडिट पार्टी में तैनात अधिकारियों के लिए भी महत्वपूर्ण है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन 28 दिसंबर 2022 को प्रधान निदेशक द्वारा किया गया था जिसमें उन्होंने अनुबंध प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला था। सुश्री नारायण एसएल मोनिका, उप प्रबंधक (सिविल), कोल इंडिया लिमिटेड ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दो सत्रों में अनुबंध के नियमों और शर्तों, अनुबंध में महत्वपूर्ण खंडों और नई खरीद प्रक्रियाओं के बारे में चर्चा की। श्री अनूप कुमार दत्ता, सहायक महाप्रबंधक, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे और चौथे सत्र में खरीद के प्रकार और निविदाओं के मूल्यांकन के बारे में चर्चा की।

सुश्री नारायण एसएल मौनिका, उप प्रबंधक (सिविल), कोल इंडिया लिमिटेड अपने प्रशिक्षण सत्र 'अनुबंध, प्रदर्शन सुरक्षा, अवधि, समाप्ति, विवाद समाधान, अप्रत्याशित घटना, भुगतान अनुसूची, नई खरीद प्रक्रियाओं के नियमों और शर्तों' के दौरान

दिनांक **29.12.2022** को आयोजित प्रशिक्षण सत्र में श्री संदेश कुमार नागोटिया, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी एवं श्री शांतनु मुखर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी ने लोक निर्माण विभाग एवं रेलवे के अनुबंध प्रबंधन के निष्पादन लेखापरीक्षा पर चर्चा की। श्री श्यामल सरमा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) में अनुबंध प्रबंधन पर मामले के अध्ययन के साथ-साथ लेखापरीक्षा मुद्दों पर चर्चा की।

प्रतिभागियों ने मामले के अध्ययन के साथ-साथ संकायों द्वारा साझा किए गए व्यावहारिक उदाहरणों की चर्चा की सराहना की और स्वीकार किया कि चर्चा भविष्य के निष्पादन लेखापरीक्षा में उनकी मदद करेगी।

(iii) लोक निर्माण सहित अनुबंधों और निविदाओं की लेखापरीक्षा

एक उचित निविदा प्रक्रिया एक सुदृढ़ शासन प्रणाली के निर्माण खंडों में से एक है। सरकारी या निजी संगठनों में निविदाओं की स्वीकृति और अनुबंध देने की प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और खुली होनी चाहिए।

निविदा और अनुबंध लेखापरीक्षा के उद्देश्य अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार हैं:

(i) निविदा प्रक्रिया पर संगठन के वर्तमान नियंत्रण का आकलन करना।

(ii) लागत बचत उपायों की पहचान करना और संसाधनों का प्रभावी उपयोग करना।

(iii) धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और निरोध।

06 फरवरी **2023** से शुरू होने वाले निविदाओं और अनुबंधों के ऑडिट पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था की गई थी। पाठ्यक्रम मॉड्यूल में निविदा का उद्देश्य, निविदा की पूर्व-आवश्यकताएं, निविदा प्रक्रिया के चरण, निविदा के प्रकार, निविदा मूल्यांकन चरण, निविदा को अंतिम रूप देना, पोस्ट टेंडरिंग प्रक्रिया भी शामिल था।

श्री शिवशंकर चक्रवर्ती, अधीक्षण अभियंता, लो.नि.वि. (सड़क) निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार ने लोक निर्माण का परिचय, विभिन्न प्रकार के लो.नि.वि कार्यों, अनुमानों की तैयारी, प्रारंभिक अनुमान, संभावित वृद्धि के लिए प्रारंभिक अनुमानों में प्रावधान लागत आदि पर प्रशिक्षण दिया । श्री शमीदीप भट्टाचार्य, कार्यकारी अभियंता, पश्चिम बंगाल सरकार ने विस्तृत अनुमान-तैयारी

के आधार, प्रारंभिक और विस्तृत अनुमानों के बीच अंतर, दरों की अनुसूची-अनुसूचित / गैर-अनुसूचित आइटम, आइटम-विश्लेषण दर, प्रावधान विभिन्न प्रकार के कार्यों में आकस्मिकताओं के लिए, अनुमानों की पुनर्रचना-पूरक/संशोधित अनुमान-जोड़ना, मदों में परिवर्तन और प्रतिस्थापन-दरों का विश्लेषण के विषयों पर प्रशिक्षण दिया ।

श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं, कोलकाता 'केस स्टडी: यूपी रोड वर्क्स और सिंचाई के अनुबंध प्रबंधन' पर अपने केस स्टडी चर्चा के दौरान

(iv) पब्लिक प्राइवेट पार्ट्नर्शिप (पीपीपी) की लेखापरीक्षा

भारत ने उच्च प्राथमिकता वाली सार्वजनिक उपयोगिताओं और बुनियादी ढांचे के वितरण के लिए व्यवस्थित रूप से एक पीपीपी कार्यक्रम शुरू किया है और पिछले एक दशक में विकसित किया है।

विश्व बैंक के अनुसार कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में लगभग 2000 पीपीपी परियोजनाओं के साथ, भारत पीपीपी के लिए तत्परता के मामले में अग्रणी देशों में से एक है।

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2019-20 में, देश के लिए बुनियादी ढाँचा तैयार करने के लिए अपनी तरह का पहला और संपूर्ण सरकारी अभ्यास किया। जिसके अनुसरण में, देश के लिए बुनियादी ढांचे की दृष्टि का विवरण देते हुए राष्ट्रीय अवसंरचना (इन्फ्रस्ट्रक्चर) पाइपलाइन (एनआईपी) दिसंबर 2019 में जारी की गई थी। एनआईपी में पांच साल की अवधि (2020-25) में 111 लाख करोड़ रुपये के निवेश की परिकल्पना की गई है। रु22 लाख करोड़ रुपये के वार्षिक औसत निवेश के साथ यह ऐतिहासिक स्तरों की तुलना में 2.5 गुना का एक महत्वपूर्ण

कदम है। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को गति देने और एनआईपी के तहत परिकल्पित अंतर को पाटने के लिए एक मूल्यवान साधन का प्रतिनिधित्व करता है। वर्तमान में, एनआईपी के तहत **7600** परियोजनाएं हैं।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता ने **13** मार्च 2023 से 17 मार्च 2023 तक सार्वजनिक निजी भागीदारी की लेखापरीक्षा पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण प्रतिभागियों को पीपीपी मॉडल के नींव की स्पष्टता प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें केस स्टडी के उपयोग द्वारा लेखापरीक्षा की भूमिका की एक स्पष्ट तस्वीर देने पर केंद्रित था।

श्री अनिल शुक्ला, संयुक्त सचिव और सुश्री अमृता सिंह, ओएसडी, वित्त विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, डॉ. सौमेंद्र नाथ अरी, तकनीकी अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, श्री तापस कुमार मंडल, महानिदेशक (नागरिक), कोलकाता नगर निगम, सुश्री देवोलीना ठाकुर, महानिदेशक, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (मध्य), कोलकाता और श्री अतुल प्रकाश, प्रधान निदेशक, क्षे.प्र.सं, कोलकाता उन फैकल्टी में शामिल था जिन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिए और पीपीपी परियोजनाओं पर अपने विशाल अनुभव को साझा किया।

सुश्री देबोलीना ठाकुर, महानिदेशक (मध्य), कोलकाता पीपीपी-गुड़गांव मेट्रो के ऑडिट के केस स्टडी पर चर्चा के दौरान।

(v) क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा संचालित अन्य सामान्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 की अवधि के दौरान क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता के सामान्य प्रशिक्षण अनुभाग द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए:

क्रमिक संख्या	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संकायों का नाम	
		आईए एवं एडी के अंदर	आईए एवं एडी के अलावा
1	सार्वजनिक शासन में नैतिकता और मूल्यों के साथ ISSAI दिशानिर्देश (17-10-2022 to 20-10-2022)	**1.** श्री रूपम भट्टाचार्य, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी **2.** श्री मुकेश शर्मा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी	**शून्य**
2	समेकित वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा (09-11-2022 to 11-11-2022)	**1.** श्री मुकेश शर्मा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी	1. श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड अकाउंटेंट, एसोसिएट चार्टर्ड अकाउंटेंट
3	वित्तीय लेखापरीक्षा और स्वायत्त निकायों के खाते (21-11-2022 to 24-11-2022)	1. श्री सुजीत कुमार रे, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी **3.** श्री मलय मोहन दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी **4.** श्री सुजीत शर्मा, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	1. श्री तापस सेनगुप्ता, निदेशक (सेवानिवृत्त) 2. श्री असीम कुमार झा, वित्त एवं लेखा अधिकारी, सेंट्रल ग्लास एंड सिरामिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोलकाता 3. श्री प्रियम मुखर्जी, वित्त एवं लेखा अधिकारी, रासायनिक जीव विज्ञान संस्थान

4	खानों का लेखा परीक्षण (28-11-2022 to 30-11-2022)	1. श्री सुजीत कुमार दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी 2. श्री वसीम बख्श, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी 3. श्री खुशी लाल सिंह, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	1. श्री ई. कार्तिकेयन, मुख्य प्रबंधक (एम), कोल इंडिया लिमिटेड 2. श्री सलिल कुमार नाग, सहायक महाप्रबंधक (खान), हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड
5	मिडलवेयर सर्वर के अवलोकन के साथ आई.एफ.एम.एस. का अवलोकन (05-01-2023 to 06-01-2023)	1. श्री कृष्ण चंद्र कुंडू, सहायक लेखा अधिकारी	1. श्री देवव्रत दास, आईएओ और ओएसडी, वित्त विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार
6	वित्त और विनियोग खातों की तैयारी, सरकारी लेखा प्रणाली (गसब) (09-01-2023 to 11-01-2023)	1. श्री नारायण चंद्र दास, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी 2. श्री शुभंकर मंडल, सहायक लेखा अधिकारी	**शून्य**
7	वाउचर/चालान की जांच के संदर्भ में वित्तीय साक्ष्यांकन लेखापरीक्षा मैनुअल और वित्तीय साक्ष्यांकन लेखापरीक्षा दिशानिर्देश (16-01-2023 to 20-01-2023)	1. श्री विनोद परिहार, उप महालेखाकार 2. सुश्री ज्योत्सना लकड़ा (टोप्पो), वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी 3. श्री सिबी जॉन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी 4. सुश्री कनिका मित्रा (बोस), वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी	**शून्य**

		5. श्री कृष्ण चंद्र कुंडू, सहायक लेखा अधिकारी	
8	सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 पर संगोष्ठी (15-02-2023 to 17-02-2023)	1. सुश्री अदिति शर्मा, वरिष्ठ उप महालेखाकार 2. श्री राजू हाजरा, सहायक लेखा अधिकारी (तदर्थ)	1. श्री तापस सेनगुप्ता, निदेशक (सेवानिवृत्त)
9	वस्तु एवं सेवा कर (20-02-2023 to 24-02-2023)	1. श्री दीपक कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी 2. श्री अमित श्रीवास्तव, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	1. श्री बिरोजीत रॉय, सहायक आयुक्त, सीजीएसटी, हल्दिया, कोलकाता जोन 2. श्री सुब्रत मित्र, सहायक निदेशक, राष्ट्रीय सीमा शुल्क अकादमी, अप्रत्यक्ष कर और नारकोटिक्स
10	भारतीय लेखा मानकों पर संगोष्ठी (20-03-2023 to 24-03-2023)	1. श्री फाल्गुनी बंद्योपाध्याय, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी	**1.** श्री विवेक अग्रवाल, चार्टर्ड एकाउंटेंट, आईसीएआई, आईसीएसआई **2.** श्री अरिंदम सेनगुप्ता, चार्टर्ड एकाउंटेंट, आईसीएआई **3.** श्री गोपाल जैन, चार्टर्ड अकाउंटेंट

(छ) सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण

(i) ई-गवर्नेंस, आई बी ई एम एस (iBEMS) और *पी एफ एम एस* (PFMS) पर प्रशिक्षण

1980 और **1990** के दशक की शुरुआत में ई-गवर्नेंस की दिशा में शुरुआती प्रयास मूल रूप से सरकारी विभागों की नेटवर्किंग और रक्षा, आर्थिक निगरानी, योजना के क्षेत्रों में घरेलू सरकारी अनुप्रयोगों को विकसित करने पर केंद्रित थे।

भारत में ई-गवर्नेंस सरकारी विभागों के कम्प्यूटरीकरण से लेकर उन पहलों तक तेजी से विकसित हुआ है, जैसे कि नागरिक केंद्रितता, सेवा उन्मुखीकरण और पारदर्शिता। पिछली ई-गवर्नेंस से मिले सबक ने देश की प्रगतिशील ई-गवर्नेंस रणनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ।

"ई-गवर्नेंस, आई.बी.ई.एम.एस. और पी.एफ.एम.एस." पाठ्यक्रम को सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (**PFMS**) के साथ एकीकृत बजट और व्यय निगरानी प्रणाली (**iBEMS**) पर ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ ई-गवर्नेंस पहलों, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (एनईजीपी) की अवधारणा के लिए डिज़ाइन किया गया है। उपयोगकर्ता कार्यालयों के अनुरोध को समायोजित करने के लिए, प्रशिक्षण अक्टूबर **2022** से मार्च **2023** की अवधि के दौरान दो बार आयोजित किया गया था।

प्रशिक्षण में ई-गवर्नेंस का परिचय, एनईजीपी, डिजिटल इंडिया फ्रेमवर्क, पी.एफ.एम.एस./आई.एफ.एम.एस. का परिचय, पी.एफ.एम.एस. के ई.आई.एस. मॉड्यूल पर चर्चा, आईए एवं एडी में पी.एफ.एम.एस. कार्यप्रणाली, उपयोगकर्ता की आवश्यकता के अनुसार पी.एफ.एम.एस. में विभिन्न रिपोर्ट तैयार करना, आई-बी.ई.एम.एस. के उद्देश्य और कार्यप्रणाली, आई-बी.ई.एम.एस. में पी.ए.ओ. की भूमिका, आई-बी.ई.एम.एस. की भूमिका, पी.एफ.एम.एस. परिदृश्य आदि विषय शामिल थे।

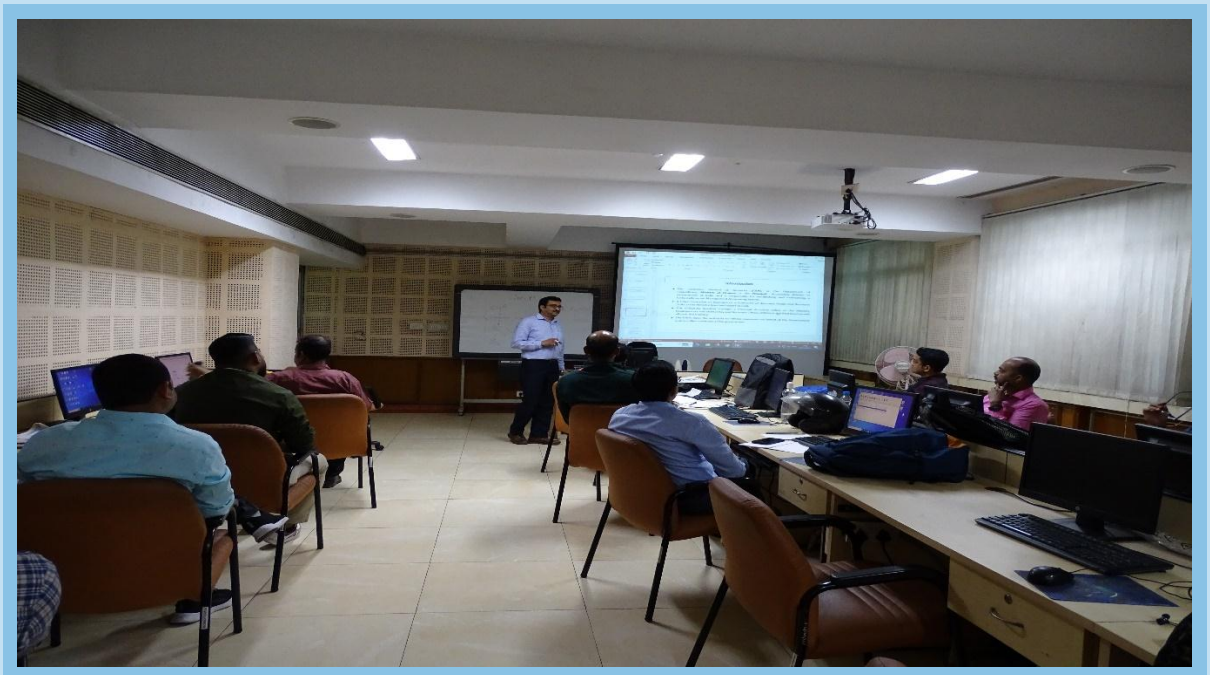

आई बी ई एम एस (iBEMS) के प्रशिक्षण सत्र के दौरान श्री संदीप कोनार, सहायक लेखा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (A&E), पश्चिम बंगाल।

प्रशिक्षण के लिए संकायों में श्री मतिउर रहमान, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, कोलकाता, श्री पिनाकी दे, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, लेखा महानियंत्रक कार्यालय, कोलकाता, श्री संदीप कोनार, सहायक लेखा अधिकारी, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), पश्चिम बंगाल, श्री प्रीतम घोष, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (मध्य), कोलकाता, श्री पंकज कुमार सरदार, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (पी), कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता, श्री झुंटू दासगुप्ता, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता और श्री सुब्रत पॉल, वरिष्ठ लेखापरीक्षक, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), छत्तीसगढ़, रायपुर शामिल थें।

(ii) एमएस एक्सेल (एडवांस)

माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल एक शक्तिशाली स्प्रेडशीट एप्लिकेशन है जिसका उपयोग विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों में दशकों से किया जा रहा है। यह पहली बार 1985 में मैकिंटोश कंप्यूटर के लिए रिलीज़ किया गया था और बाद में 1987 में विंडोज के लिए रिलीज़ किया गया था। तब से एक्सेल स्प्रेडशीट सॉफ्टवेयर के लिए उद्योग मानक बन गया है और दुनिया भर में लाखों लोगों द्वारा इसका उपयोग किया जाता है। एक्सेल उपभोक्ता - अनुकूल इंटरफ़ेस के तेहत बड़ी मात्रा में डेटा को व्यवस्थित करने, हेरफेर करने और विश्लेषण करने की अनुमति देता है। यह ग्राफ़िंग टूल, पाइवोट टेबल, फ़ॉर्मूला और मैक्रोज़ सहित कई प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करता है। इन सुविधाओं के साथ, उपयोगकर्ता जटिल गणना कर सकते हैं, चार्ट और ग्राफ़ उत्पन्न कर सकते हैं और दोहराए जाने वाले कार्यों को स्वचालित कर सकते हैं।

माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल एक शक्तिशाली स्प्रेडशीट सॉफ़्टवेयर है जो बुनियादी और उन्नत दोनों सुविधाएँ प्रदान करता है। एमएस एक्सेल एडवांस में उपलब्ध विशेषताएं जो एमएस एक्सेल बेसिक में उपलब्ध नहीं हैं, उनका विवरण नीचे दिया गया है:-

(क) कार्यक्षमता: एक्सेल बेसिक स्प्रेडशीट बनाने और संपादित करने के लिए बुनियादी कार्यक्षमता प्रदान करता है, जबकि एक्सेल एडवांस अधिक उन्नत सुविधाएँ जैसे मैक्रोज़, पाइवोट टेबल और जटिल सूत्र प्रदान करता है।

(ख) यूजर इंटरफेस: एक्सेल बेसिक के यूजर इंटरफेस सरल है, जबकि एक्सेल एडवांस कई और सुविधाओं और विकल्पों के साथ एक अधिक जटिल यूजर इंटरफेस प्रदान करता है।

(ग) सूत्रों की जटिलता: एक्सेल बेसिक में बुनियादी सूत्रों का एक सीमित सेट है, जबकि एक्सेल एडवांस उन्नत सूत्रों और कार्यों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता जटिल गणना कर सकते हैं।

(घ) स्वचालन: एक्सेल एडवांस मैक्रोज़ का उपयोग करके कार्यों को स्वचालित करने की क्षमता प्रदान करता है, जबकि एक्सेल बेसिक में यह सुविधा नहीं है।

(ङ) डेटा विश्लेषण: एक्सेल एडवांस उन्नत डेटा विश्लेषण उपकरण जैसे पाइवोट टेबल और चार्ट प्रदान करता है, जो एक्सेल बेसिक में उपलब्ध नहीं हैं।

एक्सेल बेसिक सरल डेटा प्रविष्टि और गणना के लिए उपयुक्त है, जबकि एक्सेल एडवांस अधिक जटिल डेटा विश्लेषण और स्वचालन कार्यों के लिए अनुकूल है।

प्रतिभागियों को एमएस एक्सेल एडवांस में उपलब्ध यूटिलिटी टूल्स का निरीक्षण करने के लिए संस्थान द्वारा दिनांक **20.03.2023** से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था की गई थी।

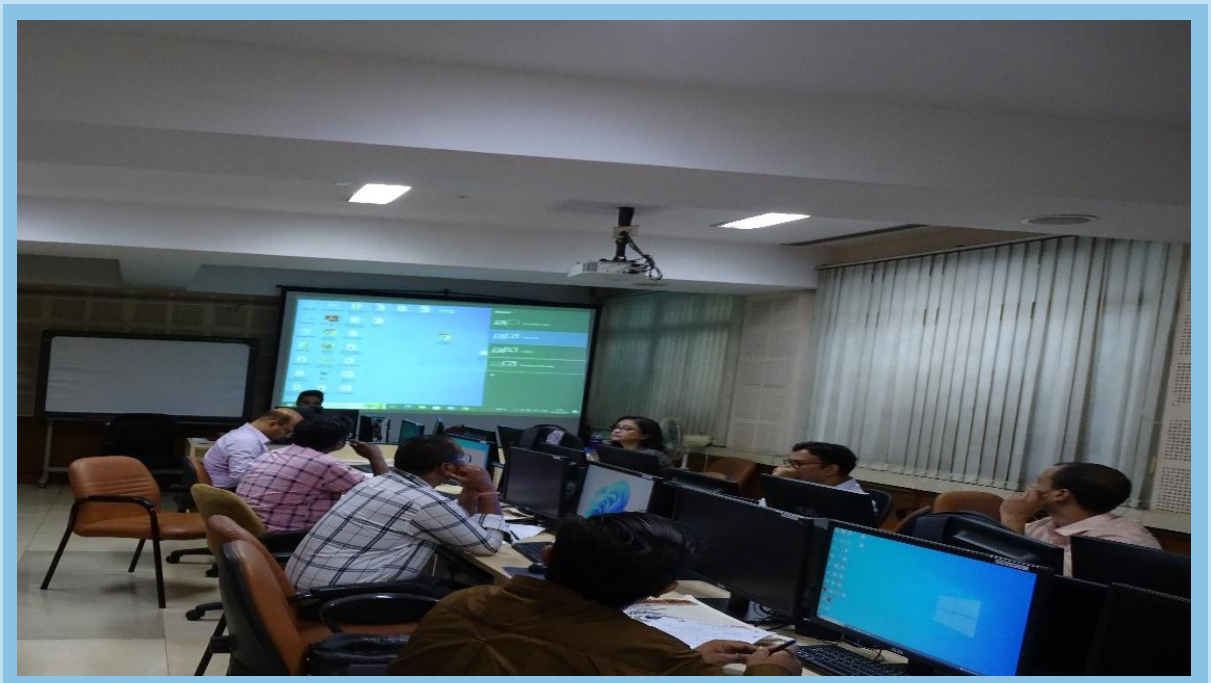

एम.एस. एक्सेल एडवांस पर सत्र के दौरान श्री सुशोवन चटर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, क्षे.प्र.सं, कोलकाता

प्रशिक्षण में शामिल विषयों में विश्लेषण के लिए विभिन्न प्रकार की फाइलों को एक्सेल में आयात करना, सूत्रों और कार्यों का उपयोग करके गणना करना, एक्सेल पावर क्वेरी का उपयोग

करके - क्लीनिंग, सॉर्टिंग एवं एक्सेल पावर क्वेरी से निस्पंदन करना, एक्सेल पाइवोट टेबल के साथ डेटा विश्लेषण और डेटा का उपयोग करके जोड़ना और विलय करना शामिल था।

श्री सुशोवन चटर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया था और पाठ्यक्रम का संतुष्टि स्तर 4.77 था।

(iii) क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित अन्य आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम

उपरोक्त आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 की अवधि के दौरान क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता के आईएस अनुभाग द्वारा निम्नलिखित आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए:

क्रमिक संख्या	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संकायों का नाम	
		आईए एवं एडी के अंदर	आईए एवं एडी के अलावा
1	आइडिया (17-10-2022 to 21-10-2022)	1. श्री अवनीन्द्र कुमार राय, उप महालेखाकार	**शून्य**
2	आईटी लेखापरीक्षा (21-11-2022 to 25-11-2022)	**शून्य**	1. श्री बिकाश कुमार महंती, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (सेवानिवृत्त)
3	आइडिया (12-12-2022 to 16-12-2022)	**शून्य**	1. श्री बिकाश कुमार महंती, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (सेवानिवृत्त)
4	आईटी लेखापरीक्षा (19-12-2022 to 23-12-2022)	1. श्री गौरव राय, निदेशक	1. श्री बिकाश कुमार महंती, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (सेवानिवृत्त)
5	ओरेकल पीएल-एसक्यूएल (23-01-2023 to 30-01-2023)	**शून्य**	1. श्री अनिमेष देब रॉय

6	पश्चिम बंगाल में भूमि अभिलेखों के कम्प्यूटरीकरण की स्थिति के आईएस ऑडिट पर कार्यशाला (07-02-2023 to 08-02-2023)	**1.** श्री विकास कुमार, निदेशक **2.** श्री अरिजीत सिन्हा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी **3.** श्री अब्दुल बर्री एम, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी	**शून्य**
7	ई- प्रोक्योरमेंट पर कार्यशाला (24-02-2023)	**1.** श्री अनिल कुमार गोयल, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी **2.** श्री रुद्र प्रसन्ना रथ, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी **3.** श्री प्रमोद कुमार पाणि, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी	**1.** श्री रॉबिन दास, सॉफ्टवेयर सपोर्ट कार्मिक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, कोलकाता **2.** श्री भास्कर राव बोडोपल्ली, सॉफ्टवेयर सपोर्ट कार्मिक (एसएसपी), आरआईसीएमएस
8	ओरेकल पीएल-एसक्यूएल (27-02-2023 to 03-03-2023)	**शून्य**	1. श्री अनिमेष देब रॉय
9	ई-प्रोक्योरमेंट, जी.ई.एम. (01-03-2023 to 03-03-2023)	**1.** श्री तूफ़ान अधिकारी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी **2.** श्री सब्यसाची प्रधान, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी (तदर्थ) **3.** श्री पवित्र कुमार जाना, सहायक लेखा अधिकारी	**शून्य**

10	डेटा एनालिटिक्स (13-03-2023 to 17-03-2023)	1. श्री मुकेश शर्मा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी	1. श्री विकास कुमार महंती, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (सेवानिवृत्त)

(ज) उपयोगकर्ता कार्यालयों की ओर से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम और इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को प्रदान की गई बुनियादी सुविधाएं

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता में दो आईटी प्रयोगशालाएं और एक सम्मेलन कक्ष है। क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आधारभूत संरचना प्रदान करके उपयोगकर्ता कार्यालयों को सुविधा प्रदान करता है।

अक्टूबर 2022 से मार्च 2023 की अवधि के दौरान, क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता की द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए:

क्रमिक संख्या	**प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम**	**अवधि**	**उपयोक्ता कार्यालय का नाम जिसके अनुरोध पर व्यवस्था की गई थी**
1	यूएलबी में चल रही प्रमुख योजनाएं जैसे पी.एम.ए.वाई., एस.बी.एम., एन.यू.एल.एम., अमृत	31.03.2023	कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल
2	एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली	13.02.2023	
3	भूमि अभिलेखों पर प्रशिक्षण	07.02.2023	
4	ओ.आई.ओ.एस.	30.01.2023 to 03.02.2023	
5	पी.एस.यू की त्रिपक्षीय बैठक	09.01.2023, 11.01.2023, 13.01.2023, 16.01.2023 एवं 18.01.2023	

6	आईए एवं एडी के कर्मचारियों के सार्वजनिक जीवन में पूर्ण सत्यनिष्ठा, कर्तव्य के प्रति समर्पण, नैतिक मानकों और ईमानदारी के रखरखाव पर **इन-हाउस प्रशिक्षण**	27.12.2022	
7	हिंदी त्रैमासिक रिपोर्ट तैयार करना	23.12.2022	
8	ओ.आई.ओ.एस. पर प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए आईटी लैब	28.11.2022 to 02.12.2022	कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), पश्चिम बंगाल

(झ) उपयोगकर्ता कार्यालयों और आईए एवं एडी के बाहर दिया गया प्रशिक्षण

सभी प्रशिक्षण संस्थानों की उत्कृष्टता और गुणवत्ता का प्रदर्शन संकाय सदस्यों पर अत्यधिक निर्भर है। इसलिए, प्रशिक्षण संस्थानों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि संकाय सदस्यों को प्रशिक्षण और विकास में पर्याप्त सहायता और अवसर प्रदान किए जाएं। संकाय सदस्यों में संस्थानों की भूमिका के प्रति सकारात्मक धारणा होती है जब उन्हें प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों में भाग लेने की अनुमति दी जाती है और साथ ही इस विभाग के तहत कार्यालयों के साथ-साथ अन्य विभागों के कार्यालयों को प्रशिक्षण देने के लिए भेजा जाता है।

इस प्रयास में, क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता के संकाय सदस्यों को क्षे.प्र.सं, कोलकाता के बाहर के कार्यालयों में प्रशिक्षण देने के लिए भेजा गया, जिसका विवरण इस प्रकार है:

क्रमिक संख्या	**प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम**	**प्रशिक्षण की तिथि**	**सत्रों की संख्या**	**कार्यालय जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया**	**संकाय का नाम**
1	पूर्ण अखंडता और नैतिक मानकों का रखरखाव	27.12.2022 (FN)	2	कार्यालय महालेखाकार	श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

2	आईए एवं एडी के कर्मचारियों के सार्वजनिक जीवन में कर्तव्य के प्रति समर्पण और ईमानदारी	27.12.2022 (AN)	2	(लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल	श्री उत्तम दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
3	स्नातक अभियंता प्रशिक्षुओं के लिए केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 पर अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम	10.01.2023	1	नेताजी सुभाष प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान	श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
4	आईए एवं एडी के कर्मचारियों के सार्वजनिक जीवन में पूर्ण निष्ठा, कर्तव्य के प्रति समर्पण, नैतिक मानकों और ईमानदारी का रखरखाव	14.02.2023	2	कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल	श्री दीपक कुमार सिंह, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
5	सामान्य वित्तीय नियम, 2017 पर प्रशिक्षण	27.02.2023	4	इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया	श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी श्री दीपक कुमार सिंह, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

ञ) हिंदी पत्रिका "ज्ञान अमृत" का प्रकाशन

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता प्रधान निदेशक के मार्गदर्शन में संस्थान के अधिकारियों को के बीच राजभाषा के उपयोग बढ़ावा देता है। इस दिशा मे, क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता ने जनवरी 2023 के महीने में अपनी पहली ई-पत्रिका "ज्ञान अमृत" का प्रकाश किया। पत्रिका का शीर्षक का नामकरण इन-हाउस प्रतियोगिता के माध्यम से निर्धारित गया था और "ज्ञान

अमृत" नाम का प्रस्ताव सुश्री पारिजात सैकिया, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी द्वारा किया गया था, जिन्हें प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया।

पत्रिका को आई ए एण्ड ए डी के सभी कार्यालयों में परिचालित किया गया और कार्यालयों द्वारा इसकी अत्यधिक सराहना की गई।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग,

तीसरी एमएसओ बिल्डिंग, सीजीओ कॉम्प्लेक्स,

पांचवीं मंजिल (ए विंग), डीएफ ब्लॉक, साल्ट लेक,

सेक्टर - I, कोलकाता 64

दूरभाष: (033) 23213907/6708; FAX: (033) 23216709

ई-मेल: rtikolkata@cag.gov.in

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest